लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Press Note 12 June 2020

Prof. Alok Kumar Rai, Vice Chancellor University of Lucknow has been nominated as the Member of General Council of the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) in the category of Vice-Chancellor of a State University. From the entire country only four persons can be nominated as the Member of the prestigious General Council of NAAC and Prof. Rai is one of them. Prof. Rai has been nominated by Prof. D. P. Singh, Chairman, University Grant Commission and President of the General Council of NAAC. The nomination of Professor Rai is for the period of three years. It is worthy to mention here that the University Grant Commission had established inter-University Centers amongst which National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bengaluru is one of the autonomous organization which was established in 1994. The primary responsibility of the NAAC is to carry out assessment and accreditation of institutions of higher education.

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। पूरे देश से केवल चार व्यक्तियों को NAAC के प्रतिष्ठित जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया जा सकता है और प्रो राय उनमें से एक हैं। प्रो. राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और NAAC की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह द्वारा नामित किया गया है। प्रोफेसर राय का नामांकन तीन साल की अवधि के लिए है। यहां यह उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अंतर-विश्वविद्यालय केंद्रों की स्थापना की थी, जिसमें राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC), बेंगलुरु एक स्वायत्त संगठन है जिसे 1994 में स्थापित किया गया था। NAAC की प्राथमिक जिम्मेदारी उच्च शिक्षा के संस्थानों का मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करना है।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

आज दिनांक 12 जून 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वाधान में वेयर इज आवर फ़ूड कमिंग फ्रॉम शीर्षक पर एक वेबीनार अपराह्न 12:00 बजे से आयोजित किया गया । कार्यक्रम के शुभारंभ में स्वर्णाली नेशनल कोऑर्डिनेटर ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल ने कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए सभी का परिचय करवाया उन्होंने बताया कि इस वेबीनार का उद्देश्य लोगों में हमारे भोजन के सोर्सेस के विषय में जागरूकता फैलाना है जिससे कि हम यह जान सके कि जो भी भोजन अनाज सब्जियां हम ग्रहण करते हैं वह कैसे और किन परिस्थितियों में तैयार किया जाता है इसके साथ साथ ये प्रक्रिया हमारे वातावरण को किस प्रकार लाभ या हानि पहुंचाती है। इसी श्रृंखला में डॉ राकेश द्विवेदी कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ विश्वविद्यालय ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो भी क्रॉप कल्टीवेशन होता है उसमें कौन से फर्टिलाइजर और पेस्टिसाइड का प्रयोग हो रहा है यहां भी बहुत महत्वपूर्ण है बहुत सारे फटलाइजर अधिक उत्पादन के लिए रिकमेंड मात्रा से ज्यादा मात्रा में प्रयोग किए जा रहे हैं जिससे हमारे फूड की क्वांटिटी तो बढ़ रही है लेकिन उसकी क्वालिटी का स्तर कम हो रहा है और यह पेस्टिसाइड केमिकल्स मृदा की क्षमता को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं साथ ही साथ यह मृदा में मिलकर जल को भी प्रदूषित कर रहे हैं उन्होंने कोविड-19 का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड-19 को फैलाने वाला कोरोनावायरस भी चाइना के मीट मार्केट से ही हम सबके बीच आया इसलिए आप समझ सकते हैं कि हमारे फूड का प्रोसेस और वह कहां कैसे बनाया जा रहा है किन कंडीशन में बनाया जा रहा है यह जानने के साथ साथ सब कुछ ठीक रखना बहुत जरूरी है क्योंकि इसके प्रभाव हमारे स्वास्थ्य व पर्यावरण पर पड़ते हैं । ह्यूमन सोसाइटी के सिद्धार्थ मिश्रा और उत्कर्ष मिश्रा ने पोल्ट्री फार्मिंग और पोल्ट्री फार्मिंग बैटरी केजेस इंडस्ट्रियल फॉर्मिंग आदि विषयों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पिछले 10 सालों में नॉन वेज फूड की डिमांड बढी है जिसको पूरा करने के लिए करीब 80 बिलियन चिकन फैक्ट्री फार्मिंग के द्वारा बनाए जाते हैं जिसमें पक्षियों जानवरों को दवाएं देकर जल्दी बडा किया जता ह जिससे उनका वजन बढ़ेऔर अधिक पैसे मिले और डिमांड पूरी की जा सके उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन जानवरों को रखने के लिए कैसे तेजी से डिफोरेस्टेशन किया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप एनिमल फार्मिंग के लिए तेजी से पेड़ों को काटा जा रहा है जंगल जोकि कार्बन डाइऑक्साइड के बेस्ट अवशोषक हैं उनको नुकसान पहुंच रहा है जिससे कि वातावरण में ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ रही है विश्व की 33 परसेंट लैंड और वॉटर रिसोर्सेस का प्रयोग एनिमल फार्मिंग में हो रहा है ग्रीन हाउस गैसेस में 15 परसेंट तक भागीदार हैं उन्होंने यह भी बताया कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल किस प्रकार हमारे भोजन से संबंधित है जैसे कि जीरो हंगर वाटर और सेनिटेशन एंड कंजर्वेशन ऑफ फूड मैं पानी की कमी इन प्रॉपर कंजंक्शन अनहाइजीनिक कंडीशन यह सब हमारे स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करता है उन्होंने बैटरी के बारे में अधिक उत्पादन करने के लिए रखा जाता है जिसमें

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

ठीक से खड़े होने की भी जगह मुर्गियों को नहीं मिलती और उन्हें बहुत ही अनहाइजीनिक कंडीशन में रखा जाता है साथ इन के बैटरी केजेस से निकलने वाला वेस्ट डायरेक्ट रिवर में यह सवाल में छोड़ दिया जाता है जिससे मिट्टी और रिवर वाटर भी प्रदूषित हो जाता है उन्होंने रिफाइन रिड्यूस और रिप्लेस की अवधारणा को बताते हुए कहा कि हम जो भी खा रहे हैं वह कम से कम नुकसानदायक हो जो भी भोजन एनवायरनमेंट को नुकसान कर रहा है जैसे जंक फूड को बनाने में ज्यादा एनर्जी रिक्वायर्ड है तू इस तरह के डाइट्ज का प्रयोग करके भी हम नुकसान को कम कर सकते हैं साथी साथ रिप्लेस कर सकते हैं जैसे कि मीट प्रोटीन की जगह हम अन्य सोर्सेस ओं प्रोटीन भी देख सकते हैं। डेरी प्रोडक्ट की जगह हम अन्य सोर्सेस आफ कैलशियम भी देख सकते हैं कार्यक्रम के अंत में एनिमल प्रोटक्शन लॉ से संबंधित जानकारी दी गई कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिभाग किया गया